HS

AG

Model: web-freematching

Order No: 108422100

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/06/2000	जन्म तिथि	06/01/2001
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:36:00	जन्म समय	13:52:00 घंटे
घटी 10:32:23	जन्म समय(घटी)	16:32:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Faridabad
28:39:13 उत्तर	अक्षांश	28:24:32 उत्तर
77:13:44 पूर्व	रेखांश	77:19:04 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:05	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:02	सूर्योदय	07:14:17
19:16:21	सूर्यास्त	17:39:07
23:51:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 5वर्ष 11मा 20दि	16:20:59	कर्क	लग्न	मेष	27:33:06	सूर्य 2वर्ष 7मा 17दि
बुध	20:56:49	वृष	सूर्य	धनु	22:13:04	राहु
26/05/2025	28:21:20	मिथु	चंद्र	वृष	04:09:21	24/08/2020
27/05/2042	28:28:49	वृष	मंगल	तुला	14:11:11	24/08/2038
बुध 23/10/2027	14:22:16	मिथु	बुध	धनु	29:09:19	राहु 07/05/2023
केतु 19/10/2028	00:36:02	वृष	गुरु व	वृष	07:56:13	गुरु 30/09/2025
शुक्र 20/08/2031	19:14:31	वृष	शुक्र	कुंभ	08:56:56	शनि 06/08/2028
सूर्य 26/06/2032	29:47:55	मेष	शनि व	वृष	00:31:01	बुध 23/02/2031
चन्द्र 25/11/2033	01:19:14	कर्क व	राहु व	मिथु	21:39:18	केतु 13/03/2032
मंगल 22/11/2034	01:19:14	मक व	केतु व	धनु	21:39:18	शुक्र 13/03/2035
राहु 11/06/2037	26:55:06	मक व	हर्ष	मक	25:02:58	सूर्य 05/02/2036
गुरु 17/09/2039	12:30:50	मक व	नेप	मक	11:39:05	चन्द्र 06/08/2037
शनि 27/05/2042	17:35:22	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:05:14	मंगल 24/08/2038

लग्न-चलित

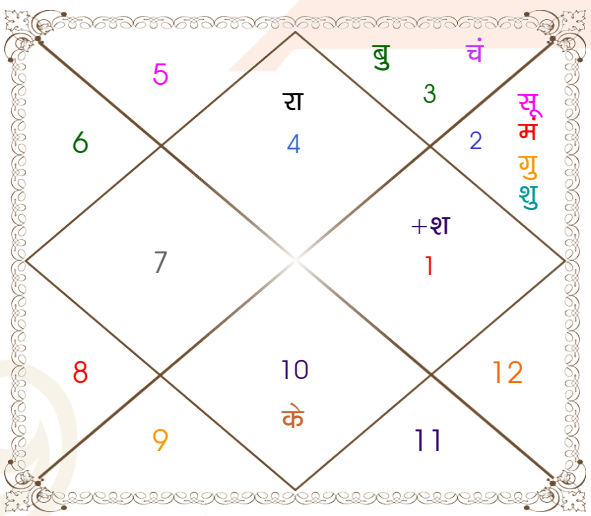

लग्न-चलित

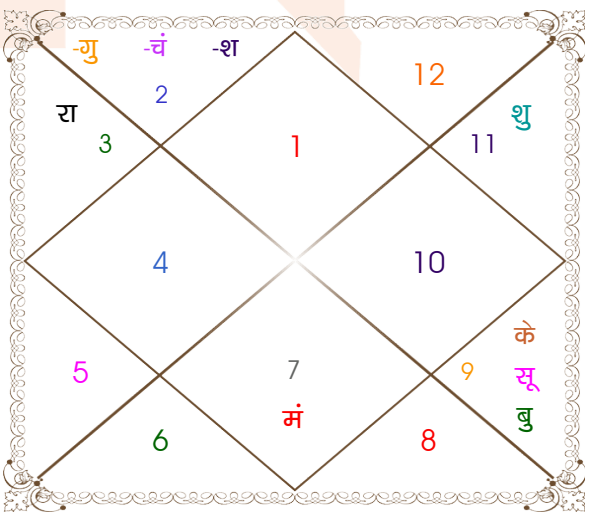

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

HS का वर्ग मेष है तथा AG का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार HS और AG का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

HS मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

AG मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल HS कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

HS तथा AG में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।